the Maharashtra State Federation had not been able to effect any exports against the quota of 0.75 lakh bales allotted to it for the cotton year 1997-98.

राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अन्तर्गत कपड़ा मिले

107. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय वस्त्र निगम उड़ीसा, मध्य प्रदेश और गुजरात में कितनी कपड़ा मिलों का प्रबंधन और पर्यवेक्षण करता है;

(ख) विगत तीन वर्षो के दौरान निगम को इन मिलों से कुल कितनी धनराशि का लाभ या हानि हुई है;

(ग) क्या निगम ने रुग्ण मिलों अथवा लगातार घाटे में चल रही मिलों को पुनरुजीविति करने तथा कपड़ा मजदूरों के उद्धार के लिए कोई कार्य योजना बनाई है; और

(घ) क्या सरकार ने ऎसी मिलों के प्रबंधन में कामगारोम को भागीदारी देने पर क्या विचार किया है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा) : (क) और (ख) एन टी सी के अधीन उड़ीसा, मध्य प्रदेश तथा गुजरात में राष्ट्रीयकृत मिलों की संख्या क्रमशः एक, सात तथा ग्यारह है। पिछले तीन वर्षों के दौरान इन 19 मिलों को हुए निवल घाटे की कुल राशि निम्नानुसार है;

वर्ष	निवल घाटा (करोड़ रु.)
95-96	116.63
96-97 (अनंतिम)	153.27
97-98 (अनंतिम)	148.02

(ग) निवल पूंजी के काम होने के कारण एन टी सी (एम.पी., गुजरात तथा डब्ल्यु जी ए जी एंड ओ) सहित एन टी सी के 9 सहायक निगमों में से 8 के मामले बी आई एफ आर को भेजे गए हैं,जिसने उन्हें रुग्ण घोषित कर दिया है। सरकार ने इन मिलों के लिए एक पुनर्वासन योजना बनाई हैं तथा उसे बी आई एफ आर के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है। पुनर्वासन के लिए निधियों की व्यवस्था एन टी सी की मिलों कि बेशी भूमि तथा परिसम्पत्तियों की बिक्री से की जानी थी। बी आई एफ आर ने यह पाया की एन टी सी (एम.पी.), एन टी सी (गुजरात) और एन टी सी (डब्ल्यू बी ए बी एंड ओ) सहित चार सहायक निगमों के मामलों में पुनर्वासन योजना व्यवहार्य नहीं है और इसीलिए इन चार सहायक निगमों को बंद करने के लिए कारण बताओं नोटिस-जारी किए हैं। तथापि, जी आई एफ आर से अनुमोदित न मिलने तथा बिक्री की आय से निधियां उपलब्ध न होने के कारण पुनर्वास योजना को क्रियान्वित नहीं किया जा सका। सरकार एन टी सी द्वारा किए गए एकक-वार अर्थक्षमता अध्ययन के आधार पर एन टी सी की अर्थक्षम मिलों के लिए संशोधित सर्वागींण सुधार नीति पर विचार कर रही है।

(घ) उड़ीसा, गुजरात तथा मध्य प्रदेश में स्थिति 19 मिलों में से 17 मिलों मे एन टी/सी इस समय प्रबंधन में कामगारोम की सहभागिता की योजना क्रियान्वित कर रहा है।

राष्ट्रीय वस्त्र निगम की मिलों के स्वामित्व में अधिवेशन भूमि

108. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आज की तिथि के अनुसार महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों में कुल कितनी अधिशेष भूमि राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अन्तर्गत बंद पड़ी मिलों के स्वामित्व में है;

(ख) इस अधिशेष भूमि का बाजार मूल्य क्या है और क्या इस भूमि पर अवैध कब्जा करने का कोई शिकायतें सामने आयी हैं;

(ग) क्या सरकार राजस्व प्राप्त करने के उद्देश्य से इस अधिशेष जमीन को बेचने का विचार रखती है; और

(घ) क्या सरकार ने इस संबंध में राज्य सरकारों से कोई बातचीत की है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा) : (क) और (ख) एन.टी.सी. के पास महाराष्ट्र और गुजरात में कुल बेशि क्षेत्र 453.76 एकड़ है जिसका मूल्य 1984 करोड़ रुपए है। एन.टी.सी. की महाराष्ट्र और गुजरात में कोई भी मिल बंद नहीं है। एन.टी.सी. की मिलों की भूमि पर कुछ अतिक्रमण करने की सूचना प्राप्त हुई है तथा उपयुक्त कार्रवाई की जा रही है।

(ग) और (घ) एन.टी.सी. की मिलों का पुनरुद्धार करने के लिए निधियां जुटाने की दृष्टि से एन.टी.सी. की बेशी भूमि बेचने का प्रस्ताव है। यह मामला राज्य सरकारों के साथ उठाया गया है तथा इस संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से विचार-विमर्श भी किया गया है।